VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M
N 24 AUG 2024 No. 3
RECEIVED

time taken = 3hr

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2366)

Name of Candidate	Karmveer Narwadia		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	704560
Center	MKN	Date	24 Aug 2024

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **HINDI & ENGLISH**
   इसमें बारह प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1. मैं already IRMS हूँ।
Last yr 109 marks थे,
उसी According genuine
2. कमियाँ बताना,
आप नम्बर कम भी देगे तो
3. मुझे कोई समस्या नहीं है।
Plz. आपसे Request है।
4. Karmveer Narwadia

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

खंड B / SECTION A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) डिजिटल प्रभाव के प्रभुत्व वाले युग में कोई परिवार मूल नैतिक सिद्धांतों को प्रभावी ढंग से कैसे प्रसारित कर सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can the family effectively transmit core moral principles in an era dominated by digital influences? (Answer in 150 words) 10

मनुष्य जीवनकाल में नैतिक सिद्धान्तों की प्राप्ति परिवार, समाज, शिक्षण व्यवस्था तथा संगठन इत्यादि से सीखता है। वर्तमान मे डिजीटलीकरण के दौर में परिवार मूल नैतिक सिद्धान्तों को प्रभावी ढंग से प्रसारित करने मे समस्या है, फिर भी कई तरीके हैं।

① वीडियो या क्लिप भेजकर

बच्चों को वीडियो clip भेजकर मानवीय संवेदना उत्पन्न की जा सकती है।

ex → कोलकता रेप मर्डर की घटना से जुडे वीडियो से → लैंगिक समावेशिता करुणा, न्याय की भावना।

② सुभेद्य वर्गों से संबंधित डॉक्युमेंट्री या फिल्म दिखाकर।

ex → अलीगढ़ मूवी → LGBTQ पर।

③ डिजीटल डाटा से संबंधित प्रभाव

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

दिखाकर साइबर सुरक्षा जैसे मुद्दों पर जानकारी देना।

④ online ed tech plateform/ govt channel जैसे - स्वयंप्रभा का प्रयोग करना।

इनके अलावा डिजीटलीकरण के दौर मे भी परिवार की अलग से भूमिका है-

① लगातार माता-पिता तथा दादा-दादी की परोपकारिता देखकर बच्चा भी परोपकारिता सीख जाएगा।

② करुणा, समानुभूति तथा प्रेरणात्मक कहानियां सुनाकर।

Ex → महाराणा प्रताप तथा रानी हेडल की कहानी।

③ सुभेद्य वर्गों तथा वंचितों के साथ समान व्यवहार करना।

Ex - परिवार के सदस्यों द्वारा नौकरो के साथ अच्छा व्यवहार।

④ समावेशी निर्णय का निर्माण किया जाना चाहिए जिससे लैंगिक रुढ़िवादिता कमजोर होगी।

डिजीटलीकरण के दौर मे भी परिवार के सीधे तौर पर नैतिक सिद्धान्त सीखाना तथा

डिजिटल माध्यमो से सीखाया जा सकता है।

2366

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) हालांकि अंतःकरण सामान्य तौर पर नैतिक निर्णय-निर्माण में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है, लेकिन कभी-कभी इसकी सीमाएं भी होती हैं। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Though conscience generally serves as a crucial guide in ethical decision-making, it is sometimes fraught with limitations. Discuss. (Answer in 150 words) 10

व्यक्ति को सत्ता के दबाव मे भी अंतः करण के विपरीत कार्य नही करना चाहिए।

Albert Einstin

अंतःकरण दार्शनिकों के अनुसार वह आन्तरिक आवाज है जो यह बताती है कि कौनसा कृत्य नैतिक है अथवा अनैतिक।

Eg. चोरी करने से पहले बच्चे के मन मे चोरी के प्रभाव से अंतरात्मा का मना करना।

अंतरात्मा का नैतिक मार्गदर्शन का स्रोत

(1) अंतरात्मा से व्यक्ति के निर्णयों मे सत्यनिष्ठा आती है। वह अपने लक्ष्यों पर अडिग रहता है
eg- अशोक खेमका में भ्रष्टाचार के विरुद्ध अंतरात्मा की आवाज

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② अंतरात्मा के प्रभाव से व्यक्ति करुणा तथा समानुभूति के गुण विकसित कर लेता है।

Eg- भगवान महावीर, बुद्ध → दुखी व्यक्ति, गाय देखकर।

③ स्वहित से सार्वजनिक हित को प्राथमिकता देना।

Eg- भ्रष्टाचार मे कमी तथा शासन मे पारदर्शिता तथा जवाबदेहिता बढ़ना।

④ अंतरात्मा मनुष्य को संधारणीय विकास के लिए अनुकूल तथा नैतिक रूप से मजबूत बनाती है।

कई बार अंतरात्मा की सीमाएँ भी होती है।
- → पूर्वाग्रह से प्रभावित।
  Eg- जज का महिलाओं के प्रति।
- → कई बार वस्तुनिष्ठता खंडित।
- → शासन के विरुद्ध कार्य करदेना।
- → उच्च-अधिकारियों के विरुद्ध कार्य करने पर मजबूर।

महात्मा गाँधी जी ने भी कहा है
अंतरात्मा दुनिया की सबसे बड़ी अदालत है, वह सभी नैतिक मार्गदर्शकों से श्रेष्ठ है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) सार्वजानिक धन के उपयोग को किन नैतिक सिद्धांतों के आधार पर नियंत्रित किया जाना चाहिए? बड़े निगमों को उबारने(bail out) के लिए करदाताओं के पैसे का उपयोग करने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What ethical principles should govern the utilization of public funds? Discuss the moral implications of using taxpayer money to bail out large corporations. (Answer in 150 words) 10

भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक मे भारत की 146 देशों मे 93वी रैंक सार्वजनिक धन के दुरुपयोग को दिखाती है। वस्तुतः सामाजिक- आर्थिक कल्याण के लिए सार्वजनिक धन का उपयोग नैतिक सिद्धान्तों पर आधारित होना चाहिए।

नैतिक सिद्धान्तो का प्रयोग

(i) धन का आंवटन तथा उपयोग में साम्यता रखी जाए। इसे रखने के लिए पारदर्शिता तथा जवाबदेहिता का गुण होना चाहिए

eg- बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ का 78% बजट विज्ञापन पर खर्च करना)

(ii) सार्वजनिक धन को सार्वजनिक हित मे प्रयोग में लिया जाना चाहिए ना कि स्वहित मे)

eg- पूजा सिंघल → 1000 cr के साथ पकड़ी गई

(iii) सार्वजनिक धन को लोगों के कल्याण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के लिए उपयोग मे लाना अर्थात् करुणा, समानुभूति नैतिक सिद्धान्तों का समावेशन किया जाना चाहिए।

eg- District mineral fund का प्रयोग।

(4) शासन को अनुक्रियाशील तथा जवाबदेहिता सार्वजनिक धन के समकक्ष रखनी चाहिए।

eg→ RTI तथा त्वरित कार्रवाई को बढ़ाना।

Bailout पैकेज के नैतिक निहितार्थ

सकारात्मक	नकारात्मक
→ निगम के उभरने से आर्थिक संवृद्धि मे गति आएगी।	→ कंपनियों मे जवाबदेहिता तथा अनुक्रियाशीलता मे कमी।
→ रोजगारों मे वृद्धि होगी।	→ सार्वजनिक धन को सिर्फ Corporate के लिए प्रयोग करना।
→ सामाजिक कल्याण होगा।	
→ C.S.R जैसे कार्यवाही से सामाजिक कल्याण होगा।	→ Corporate का लगातार घाटे की मनोवृत्ति बनाए रखना।
→ लोगों मे सहभागिता बढ़ेगी।	→ असमानता मे वृद्धि।

सार्वजनिक धन का सदुपयोग करके शासन के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है तथा गरीबी, कुपोषण, असमानता को दूर कर सकते है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) ईमानदारी का अर्थ केवल भ्रष्ट या बेईमान आचरण से बचना नहीं है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Probity means more than just the avoidance of corrupt or dishonest conduct. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

प्रोबिटी ईमानदारी तक सीमित नही है इसमें सत्यनिष्ठा, जवाबदेहिता, निष्पक्षता तथा पारदर्शिता भी शामिल होती है।

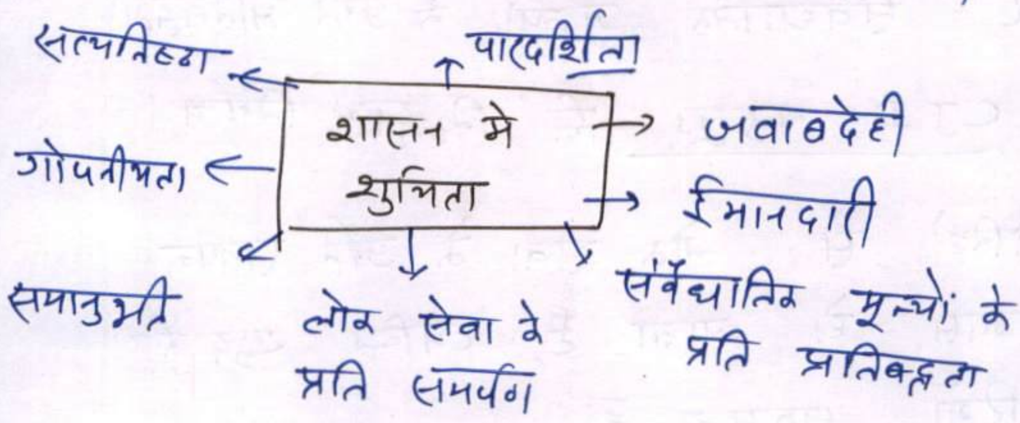

प्रोबिटी

① सत्यनिष्ठा का गुण जिसमे व्यक्ति हर परिस्थिति मे नैतिक सिद्धान्तों का अनुसरण करता है।

Eg – अर्जुन का सूर्यास्त के बाद युद्ध न करना।

② प्रोबिटी युक्त सिविल सेवक पारदर्शिता पूर्ण शासन पर जोर देता है।

Eg – तमिलनाडु कैडर के IAS ने सार्वजनिक सम्पति को सोशल मीडिया पर डाल दिया।

③ शासन मे जवाबदेहिता का गुण

समावेशित किया जाता है विवेकाधीन शक्तियों का दुरुपयोग कम हो जाता है।

eg- लाल बहादुर शास्त्री का ट्रेन दुर्घटना के बाद इस्तीफा।

(4) निस्वार्थता का विकास → भाई-भतीजावाद से हटकर संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता।

eg- CJI चन्द्रचूड़ की निःस्वार्थ निर्णय।

(5) प्रोबिटी से लोक सेवा के प्रति समर्पण का विकास हो जाता है, व्यक्ति खुद की जिम्मेदारियाँ समझता है।

eg- बैंगलोर मे डॉक्टर ट्रैफिक के कारण 2 घंटे दौड़कर सर्जरी करने गया।

(6) शासन वंचितों तथा सुभेद्य वर्गों के प्रति करुणा तथा समानुभूति का गुण दिखाएगा।

eg IAS प्रशांत का operation सुलेमान।

प्रोबिटी का शासन तथा व्यक्तिगत जीवन मे अनुपालन से सफलता आती है, साथ ही शासन के उद्देश्य पूर्ण होते है।

3. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित उद्धरण आपको क्या संदेश देते हैं।

What does the following quotation convey to you in the present context.

(a) "किसी व्यक्ति को नैतिकता के बजाय मानसिक रूप से शिक्षित करना समाज के लिए खतरा पैदा करना है।"
- थियोडोर रूजवेल्ट (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"To educate a man in mind and not in morals is to educate a menace to society." - Theodore Roosevelt (Answer in 150 words) 10

नैतिकता व्यक्ति को विपरीत परिस्थितियों मे एक दिशा-बोधन का कार्य करती है. वह समाज के लिए अनुकूल होनी चाहिए।

वही मानसिक रूप से शिक्षित करना मतलब aptitude का निर्माण करना।

वस्तुतः रूजवेल्ट का यह कथन मेरे अनुसार यह संदेश देता है कि व्यक्ति में नैतिकता तथा मानसिक रूप से शिक्षित करना दोनों प्राथमिकता होनी चाहिए। अगर कोई एक हुआ तो कोई काम का नही है।

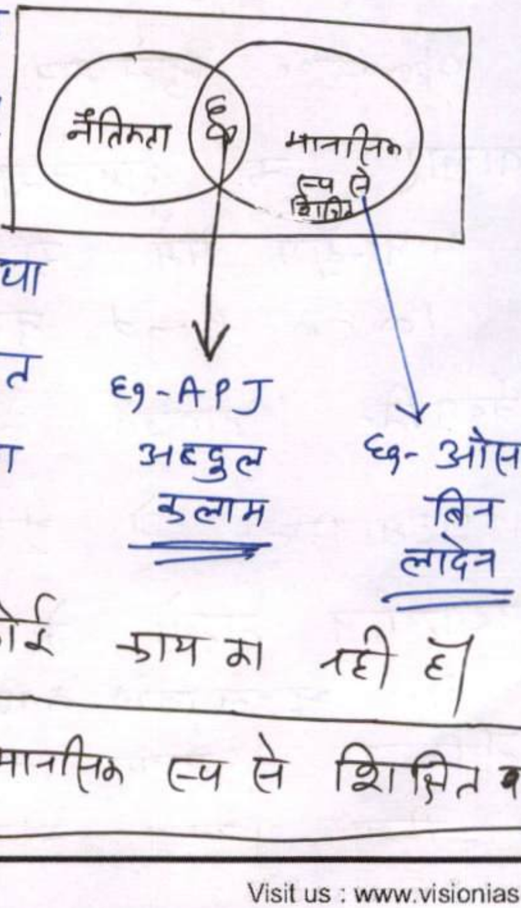

नैतिकता के बजाय मानसिक रूप से शिक्षित करने से खतरा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(1) व्यक्ति संवैधानिक आदर्शों के प्रतिकूल कार्य करना। Eg- पूजा सिंघल।

(2) मानवता पर खतरा।
Eg- लादेन की आतंकवादी घटना।

(3) नैतिक मूल्यों का ह्रास तथा जन-धन माल की हानि।
Eg- हिटलर।

अगर नैतिकता के साथ मानसिक शिक्षा दी जाए तो

(1) नैतिक सिद्धान्त जैसे सार्वजनिक कल्याण, समानता इत्यादि मूल्यों का समावेशन।
Eg. Operation सुलेमान → IAS प्रशांत द्वारा।

(2) नवाचार का समावेशन।
Eg. आर्मस्ट्रांग पेमे का Crowd fund से 100 km Road बनाना।

(3) संवैधानिक आदर्शों के प्रतिकूल।

(4) जनसहभागिता में वृद्धि। Eg→ शेखर IAS के बंधुआ मजदूरी के लिए प्रयास

(5) संस्थानीय लक्ष्यों के अनुकूल।
Eg. भू-माफियों के विपरीत IAS नागपाल की कार्रवाई

नैतिकता तथा मानसिक रूप से शिक्षण की सही दिशा मानवता के लिए कल्याणकारी होती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) "असफलता बस फिर से शुरू करने का अवसर है, इस बार और अधिक समझदारी से।" - हेनरी फ़ोर्ड (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Failure is simply the opportunity to begin again, this time more intelligently." - Henry Ford (Answer in 150 words) 10

मेरे मस्तिष्क मे एक कविता गूँज रही है.

असफलता एक चुनौती है
इसे स्वीकार करो, कहाँ कमी रह गई
इस पर विचार करो.
जब तक सफल न हो
नींद. चैन को त्यागो तुम।

असफलता व्यक्ति के जीवन मे निराशा, भय, थकान, मानसिक व्यथा लेकर आती है, लेकिन यही एक अवसर है जब सब कुछ को फिर से शुरु करके सफल हुआ जा सकता है।

थ- एडीसन बल्ब के अविष्कार मे 1000 बार असफल हुआ, जब उससे पूछा गया तो बताया मैं 1000 बार असफल नही हुआ बल्कि मैंने यह जान लिया कि इतनी बार तरीके से बल्ब नही जल सकता)

इस उदाहरण मे क्या नैतिक मूल्य है

(1) व्यक्ति का लगातार धैर्यशील बने रहना

2366
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) असफलता के समय मे भी खुद को अभिप्रेरित रखना।

(iii) मानसिक रूप से मजबूत रहना।

Eg. अब्राहम लिंकन लगातार चुनाव हार रहे थे, यहाँ तक ~~पंचायत~~ local body के भी, तब भी लगातार टिककर वे U.S.A के president बने

(Eg.) चन्द्रयान-2 की विफलता के बाद ISRO के वैज्ञानिक थके, नही, उन्होने चन्द्रयान-3 के लिए प्रयास शुरू कर दिए और सफल भी रहे।

असफलता एक चुनौती के रूप मे लेकर इसके प्रति कुछ अलग तरीके से कार्य करते हुए प्रयास किए जाने चाहिए जिससे सफलता प्राप्त हो।

3. (c) "युद्ध के समय कानून मौन रहते हैं।" - सिसरो (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Laws are silent in times of war." - Cicero (Answer in 150 words) 10

हाल ही मे फिलीस्तीन-इजराइल तथा रुस-युक्रेन का युद्ध शुरु हुआ, तब अनेक UN की Body तथा अन्तर्राष्ट्रीय शांति कानून थे लेकिन सब सिर्फ मौन ही रहे।

युद्ध के समय मौन क्यों रहते है

① देशों द्वारा कानूनों का स्वहितों के लिए प्रयोग।

Eg- UNSC का Resolution → Russia द्वारा हटा लेना।

② अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता की जगह स्वहितों को प्राथमिकता देना।

Eg- अमेरिका की अफगानिस्तान मे मनमानी।

③ पूरे विश्व मे एकजुटता का अभाव।

④ नव उपनिवेशवाद की भावना का पैदा होना।

Eg- अफ्रीका मे लगातार पश्चिमी देशों से प्रभावित तख्तापलट।

(5) स्वहितों के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों को ताक पर देना।

Eg- आर्मेनिया- अज़रबैजान मे देखा।

→ Iran का हमास को सपोर्ट।

क्या किया जाना चाहिए

(1) युद्ध एक अनैतिक कृत्य है, महात्मा गांधी जी ने भी कहा है आंख के बदले आंख ली जाए तो पूरा विश्व काना हो जाएगा।

(2) कानूनों का क्रियान्वन किया जाना चाहिए

Eg- peace keeping मिशन की तरह।

(3) समानतावादी वैश्विक व्यवस्था की स्थापना के प्रयास किया जाए।

Eg. पश्चिम देशो का प्रभुत्व कम किया जाए

(4) लोगों को जन-जागरूकता से जोड़ा जाए तथा अन्तर्राष्ट्रीय संबधों मे नैतिकता स्थापित किया जाए।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की त्रासदी से सभी परिचित है, अतः युद्ध किसी का समाधान न होना मानवता के लिए जरूरी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) अच्छा कॉर्पोरेट शासन बौद्धिक ईमानदारी से संबंधित होता है, न कि केवल नियमों और विनियमों से जुड़े रहने से। उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Good corporate governance is about intellectual honesty and not just sticking to rules and regulations. Illustrate with examples. (Answer in 150 words) 10

कॉर्पोरेट शासन मे कम्पनी को चलाने का निहित मूल्यों का सेट होता है जिसमें कम्पनी को सभी हितधारकों की सहभागिता तथा कल्याण का ध्यान रखा जाता है।

अच्छा कोर्पोरेट बौद्धिक ईमानदारी से संबंधित होता है न कि नियम विनियम से जुडे रहने से

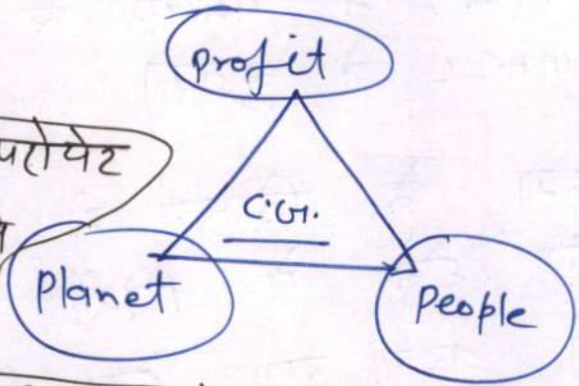

① गाँधी जी के ट्रस्टीशिप सिद्धान्त के अनुकूल।

Eg- अच्छी कार्य संस्कृति से सभी का ईमानदारी से कार्य करना।

② लोगों मे कम्पनी के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति का निर्माण

Eg- टाटा कम्पनी का राजस्थान मे एक बूंद पानी का CSR प्रयोग।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) कम्पनी समाज तथा पर्यावरण के प्रति अनुकूल कार्य करने से छवि मे वृद्धि होती है

eg- Reliance कम्पनी का शिक्षा तथा हाथियों के लिए C.S.R के कार्य।

(iv) लोगों का कम्पनी के साथ जुड़ाव हो जाता है।

eg- झारखण्ड मे पर्यावरण के प्रति कार्य करने से GAIL से जुड़ाव।

(v) देश के विकास की नीतियों का संधारणीय होने से विदेशी निवेश की भागीदारी बढ़ना तथा देश की नीतियों का भी कम्पनियों के प्रति अनुकूल होना।

eg → FDI/ FPI उदारीकरण, Bailout पैकेज

अच्छा कॉरपोरेट शासन लाभ मे वृद्धि के साथ समाज तथा पर्यावरण व कर्मचारियों के लिए लाभदायक होता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) सामान्य तौर पर, किसी संगठन में जितना ऊंचा पद होता है, भावनात्मक बुद्धिमत्ता उतनी ही अधिक महत्त्व रखती है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In general, the higher a position in an organization, the more emotional intelligence matters. Do you agree with this view? Give reasons in support of your answer. (Answer in 150 words) 10

डेनियल गोलमैन के अनुसार खुद की भावनाओं को समझते हुए, प्रबंधित करते हुए किसी दूसरे की भावनाओं को समझना, संवेगात्मक बुद्धिमता कहलाती है।

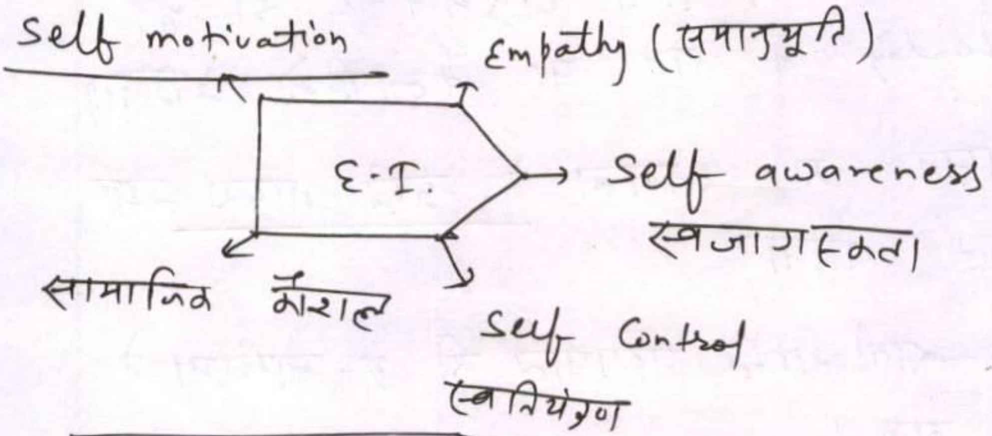

जितना ऊँचा पद : E.I. का उतना मजबूत

① Higher authority का कर्मचारीयों के प्रति समान व्यवहार, लैंगिक समावेशी होना सभी को नैतिक सिद्धान्तों से मजबूत करता है।

Eg- Zomato द्वारा मासिक धर्म अवकाश

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) Higher authority का व्यवहार अनुकरणीय होता है।

Eg. लाल बहादुर शास्त्री ऑफिस मे समय से पहुँच जाते थे, तो स्टाफ की भी समयबद्धता।

(3) अच्छी कार्य संस्कृति का विकास।

Eg → भेदभाव नही, किसी का अवार्ड रखते नही।

(4) लगातार अभिप्रेरित रहकर कार्य करना।

Eg → नरेन्द्र मोदी द्वारा चन्द्रयान-2 की soft Landing न होने पर वैज्ञानिको से मिलना।

(5) शासन का जनता के प्रति आदर्श तथा अनुकूल बनना।

Eg- रानी शक्ति नागपाल की ड्र-माफिया के विरुद्ध कार्य।

(6) अधीनस्थो के विश्वास मे वृद्धि तथा कार्यों के प्रति प्रगतिशील का गुण।

Eg- IPS नवनीत सिकेरा द्वारा कार्य।

एक व्यक्ति की सफलता में 80% Role E.I. का होता है तो 20% IQ का। डेनियल गोलमेन।

5. (a) तटस्थता और गैर-पक्षपात के अलावा, सहिष्णुता एवं समावेशिता अन्य महत्वपूर्ण मूल्य हैं जो भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोक सेवकों को अधिक सक्षम बनने में मदद करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In addition to neutrality and non-partisanship, tolerance and inclusion are other important values that facilitate the civil servants to be more competent in a diverse country like India. Explain with suitable illustrations. (Answer in 150 words) 10

सिविल सेवा जन कल्याण के प्रति समर्पित होती है, इसके लिए कई नैतिक मूल्यों को अपनाना होगा।

तटस्थता | गैर पक्षपात | सहिष्णुता | समावेशिता

तटस्थता लोक प्रशासन मे निष्पक्षता तथा गैर पक्षपातपूर्ण व्यवहार होता है जिसमे व्यक्तिगत विश्वास तथा राजनीतिक हितो से वस्तुनिष्ठता बनाए रखना शामिल है।

विविधतापूर्ण समाज मे आवश्यकता
- → शासन मे पारदर्शिता मे वृद्धि ↑
- → जनसहभागिता में वृद्धि
- → लोगों का कल्याण मे वृद्धि।

Eg- अशोक खेमका का तटस्थता का गुण।

गैर पक्षपात से अर्थ है सिविल सेवका का कोई भी राजनीतिक संबद्धता न रखकर सेवैधानिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आदर्शों के अनुकूल रहना।

विविधतापूर्ण समाज मे आवश्यकता
- → सभी पार्टियों के साथ कार्य करना
- → लोगों के विश्वास मे वृद्धि
- → आमजन की भागीदारी मे वृद्धि

Ex - T. N. शेषण का जैर पक्षपात

सहिष्णुता → सभी विचारों, भावनाओ को महत्व देना चाहे वे खुद की विचारधारा तथा पूर्वाग्रहों से भिन्न हो।

विविधतापूर्ण समाज मे आवश्यकता
- → अल्पसंख्यकों के हितो का संरक्षण
- → नए विचारों का आगमन
- लगातार सीखने की प्रवृत्ति

(Eg - APJ abdul kalam)

समावेशिता का अर्थ है, सभी को शासन की मुख्यधारा मे शामिल कर लोक-कल्याण को बढ़ावा देना।

विविधतापूर्ण समाज मे आवश्यकता
- → Tribals, अल्पसंख्यको के विश्वास मे वृद्धि
- → लोगो के आत्मविश्वास का बढ़ना।
- सामाजिक-आर्थिक हितों की वृद्धि।

Ex. IAS तथा IPS का tribal को विश्वास मे लेना तथा self defence देना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? भारत में प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What are the key principles of public service delivery? Discuss the challenges associated with providing effective public service delivery in India. (Answer in 150 words) 10

पुलिस स्टेट से वेलफेयर स्टेट मे परिवर्तन का अर्थ है- शासन का प्रभावी सेवा वितरण सुनिश्चित करना।

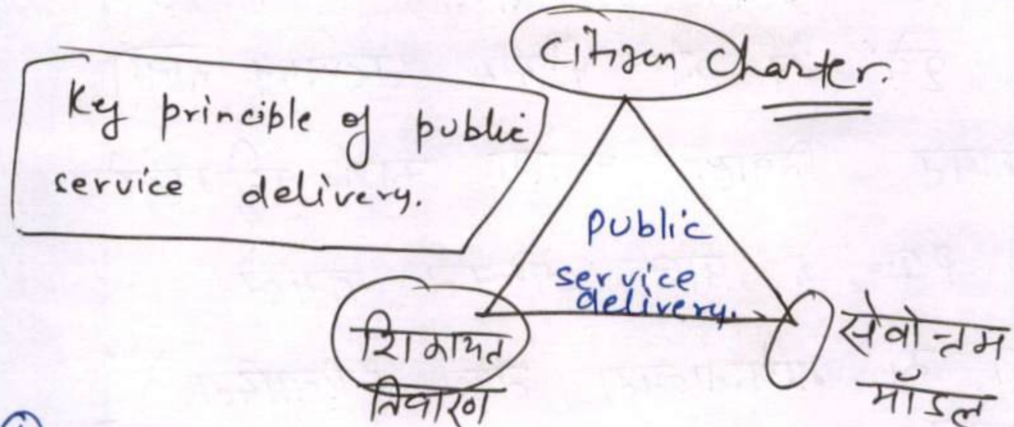

① सेवा वितरण मे सभी की भागीदारी तथा पारदर्शिता का समावेशन होना चाहिए।
Eg- RTI का क्रियान्वन।

② शिकायत निवारण प्रणाली का विकास। तथा शासन का अनुक्रियाशील होना।
eg. CPGRAMS.

③ Best pratice को follow करना
Eg. दिल्ली का मोहल्ला क्लिनिक।

④ सेवा वितरण मे नैतिक सिद्धान्तो का अनुपालन।

⑤ सार्वजनिक सेवा वितरण संवैधानिक आदर्शों के प्रतिकूल।

प्रभावी सेवा वितरण से संबंधित समस्या

① कानूनों की जटिलता तथा कानूनों से जुड़े नियम- विनियम से उत्पन्न समस्या।
Eg. उत्कल ग्रामीण बैंक द्वारा 10 वर्ष से अधिक वृद्धों का भी भौतिक सत्यापन करना।

② शिकायत निवारण प्रणाली कार्य नहीं करती है
Eg PDO के पास लम्बित मामले।

③ शासन की अभिजात्यता तथा हठवादिता के मामले।

④ शासन का समावेशी न होना।
Eg- झारखण्ड मे आधार न होने से राशन नहीं मिला, बच्ची मर गई।

जनता की सामुदायिक भागीदारी में वृद्धि — प्रयास
→ RTI का क्रियान्वन
→ शिकायत निवारण प्रणाली
→ नैतिक मूल्यों का विकास

सार्वजनिक सेवा वितरण के जनकल्याण को बढ़ाया जा सकता है।

6. (a) जब संधारणीय विकास के प्रति अभिवृत्तिक परिवर्तन की बात आती है, तो व्यवहारिक प्रेरणा ही आगे की राह है। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

When it comes to attitudinal change towards sustainable development, behavioural nudges are the way forward. Illustrate with examples. (Answer in 150 words) 10

अभिवृत्ति किसी मनोवैज्ञानिक विषय के प्रति सकारात्मक तथा नकारात्म हो सकती है।

जैसे- प्लास्टिक वेस्ट को कम उपयोग करने की सकारात्मक अभिवृत्ति।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने भी व्यवहारिक प्रेरणा के लिए स्वच्छ भारत अभियान, Life ~~style~~ मिशन इत्यादि को व्यवहारिक प्रेरणा से जोड़ा है।

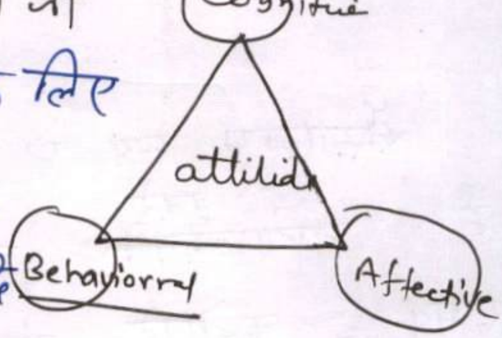

अभिवृत्ति परिवर्तन : व्यवहारिक प्रेरणा

(I) संधारणीय विकास असंतुलन तब होता है जब व्यवहार नकारात्मक हो। जैसे प्लास्टिक वेस्ट का प्रयोग।

(II) अभिवृत्ति को व्यवहार के माध्यम से देखा जाता है।

Ex- BBBP के माध्यम से सकारात्मक अभिवृत्ति।

(iii) प्लास्टिक वेस्ट को कम करके समुद्री जल जीवन तथा life on land जैसे संधारणीय विकास प्रथाओं को आगे बढ़ाना।

(iv) सामाजिक अनुनयन से समय की बचत होती है, प्रभाव में अधिक वृद्धि होती है।

Ex- दरवाजा बंद करो अभियान
→ कुपोषण, स्वास्थ्य जैसे संधारणीय विकास

सैद्धान्तिक रूप से समझे तो हम पाते हैं अभि~~व्यक्ति~~वृत्ति की प्रस्तुति व्यवहार से संभव है क्योंकि संज्ञानात्मक पक्ष ज्ञान में अभिवृद्धि करता है तो Affective पक्ष नई चीजों को शामिल करता है तथा अभिवृत्ति को प्रभावित करता है।

व्यवहारात्मक अभिप्रेरण से सार्थक लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है इसीलिए सरकार circular economy, life मिशन को चला रही है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) मदर टेरेसा के जीवन से क्या सबक सीखा जा सकता है? समकालीन विश्व में उनकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)

What lessons can be learnt from the life of Mother Teresa? Discuss their relevance in the contemporary world. (Answer in 150 words) 10

मदर टेरेसा का जीवन आज के समकालीन ~~जीवन~~ विश्व मे प्रासंगिकता रखता है. उन्होंने पूरा जीवन दुखी- दीनहीनों की सेवा मे लगा दिया। उनसे जुड़े मूल्य तथा प्रासंगिकता निम्न है-

(I) करुणा ↳ वंचितों के कल्याण का भाव।

(प्रासंगिकता) अफ्रीकी देशों के प्रति पश्चिमी देशों को करुणा दिखाना जिससे समावेशी विकास हो)

(II) सहिष्णुता ↳ सेवा करने से पहले व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों को दूर करना)

प्रासंगिकता - साम्प्रदायिकता - हिन्दू - मुस्लिम - ईसाई - सिक्ख मे चोट)

(III) समानता - सभी लोगों मे समानता हासिल करना)

प्रासंगिकता - अश्वेत - श्वेत, महिला पुरुष के समानता)

(iv) जलवायु परिवर्तन के प्रति कार्यवाई जवाबदेहिता

↳ जो सक्षम है वह कार्यवाई मे योगदान देना।

Ex- CBDR के प्रति जवाबदेहिता

(v) सत्यनिष्ठा / अहिंसा

हिंसा को सपोर्ट ना करके सदा नैतिक सिद्धान्तों का अनुपालन करना। प्रासंगिकता पशु न्याय उपलब्ध करवाना।

(vi) धैर्य- कई संगठनों द्वारा धर्म परिवर्तन के आधार पर उनकी आलोचना करना लेकिन वो टिकी रही और सार्वजनिक सेवा करती रही।

प्रासंगिकता → असफलता से सफलता,
- अभिप्रेरणा
- आत्महत्या पर रोक।

मदर टेरेसा का जीवन आदर्श था जिसकी महत्वता तथा प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है।

खंड B / SECTION B

निम्नलिखित प्रश्नों में प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. आप एक ऐसे शहर के पुलिस अधीक्षक हैं, जहां के किसी मंदिर में एक प्रमुख धार्मिक उत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में दस लाख से अधिक तीर्थयात्रियों के शामिल होने की संभावना है, जो मंदिर की अवसंरचनात्मक क्षमता से कहीं अधिक है। व्यापक योजना और एहतियाती उपायों के बावजूद, मुख्य मंदिर के प्रवेश द्वार के पास अचानक भीड़ उमड़ने से भगदड़ मच गई, जिससे कई लोग हताहत हुए और अनेक लोग घायल हो गए। स्थिति इतनी अधिक गंभीर हो गई कि मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई है।

इस जटिलता को और गंभीर बनाते हुए, व्हाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी खबरें तेजी से प्रसारित हो रही हैं, जिसमें भगदड़ को सांप्रदायिक झड़पों से जोड़कर दिखाया जा रहा है। ये फर्जी खबरें आम जनता में व्यापक दहशत पैदा कर रही हैं और इनसे जिले में सांप्रदायिक दंगों के भड़कने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

पुलिस अधीक्षक के रूप में, आप स्वयं को इस संकट के केंद्र में पाते हैं, जहां आपके सामने भगदड़ के तत्काल बाद की स्थिति को संभालने तथा संभावित रूप से खतरनाक गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने की दोहरी चुनौती विद्यमान है।

(a) इस मामले में शामिल प्रमुख हितधारकों की पहचान कीजिए।

(b) स्पष्ट कीजिए कि आप एक पुलिस अधीक्षक के रूप में, भगदड़ की स्थिति से निपटने और सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने के लिए क्या उपाय अपनाएंगे।

(c) चर्चा कीजिए कि इन उपायों को लागू करते समय, विशेष रूप से सार्वजनिक सुरक्षा तथा व्यक्तिगत अधिकारों एवं धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाने के लिए, आपको किन नैतिक बातों को ध्यान में रखना चाहिए। (उत्तर 250 शब्दों में दें)

You are the Superintendent of Police in a city hosting a major religious festival at a temple. The event is expected to attract over a million pilgrims, far exceeding the temple's infrastructure capacity. Despite extensive planning and precautionary measures, a sudden crowd surge near the main shrine entrance has resulted in a stampede, causing multiple casualties and numerous injuries. The situation has escalated, with panic spreading among the devotees present at the temple.

Adding to the complexity, instances of fake news are rapidly circulating through WhatsApp groups and social media platforms, falsely attributing the stampede to communal clashes. This misinformation is causing widespread panic among the general public and threatens to ignite communal riots in the district.

As the Superintendent of Police, you find yourself at the center of this crisis, faced with the dual challenge of managing the immediate aftermath of the stampede and countering the spread of potentially dangerous misinformation.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) Identify the key stakeholders involved in this case.

(b) Explain the measures you, as the Superintendent of Police, will take to address the stampede situation and curb the spread of fake news through social media.

(c) Discuss the ethical considerations you must keep in mind while implementing these measures, particularly in balancing public safety with individual rights and religious sentiments. (Answer in 250 words) 20

भारत मे fake news के प्रसार से दिल्ली दंगे तथा नूह हिंसा जैसे साम्प्रदायिक गतितिधियाँ पहले भी घटित हुई है। उपरोक्त केस स्टडी मे भी पुलिस अधीक्षक के नाते फेक न्यूज के प्रसार को रोकना तथा मंदिर के बीच श्रद्धालुओं को बचाना मेरी प्राथमिकता रहेगी।

उपरोक्त केस स्टडी में धैर्य, सेवा के प्रति समर्पण, सार्वजनिक कल्याण तथा गैर-पक्षपात जैसे मूल्यों की परीक्षा है।

(i) हितधारक

व्हाट्स एप तथा सोशल मीडिया (+ fake news का प्रसार)

जनकल्याण — लोगों के जन-धन माल की रक्षा करना

हितधारक → मैं (स्वयं पुलिस अधीक्षक)

भारत की सांस्कृतिक विविधता + (साम्प्रदायिक हिंसा)

तीर्थयात्री — जो गेट पर है / जो मंदिर के अंदर है

(II) पुलिस अधीक्षक के तौर पर मेरी कारवाई निम्न होगी-

(i) भगदड़ स्थल से पहले (कुछ दूरी पर) मंदिर प्रवेश पर कुछ समय के लिए रोक लगाऊँगा।

(ii) स्थल पर उपस्थित परिजनों से अधीनस्थों को बात करने का निर्देश दूँगा ताकि विश्वास बना रहे पुलिस कार्य मे रही है।

(iii) भगदड़ से हताहत लोगों को Medical Emergency की सुविधा प्रदान करने तथा सरकारी तथा निजी अस्पताल से

सम्पर्क करके मदद मॉगूंगा।

(iv) व्हाट्सग्रुप तथा सोशल मीडिया पर यह संदेश फैलाऊँगा कि यह झगड़ा क्षमता से अधिक व्यक्तियों के कारण हुई है ना कि साम्प्रदायिक कारणों से।

(v) cyber security की टीम से कॉन्टेक्ट करके ऐसे संदेश फैलाने के प्रति कार्यवाही करके जैसे- भारतीय न्याय संहिता, IPC की धारा 498 A इत्यादि लगावके का सख्त कदम उठाने की सख्त हिदायत दूँगा।

(vi) CCTV मीडिया तथा अन्य प्लेटफॉर्म का प्रयोग करके लोगो मे जागरूकता फैलाऊँगा।

(vii) इस प्रकार लोगो की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, सभी के हितो को प्राथमिकता दूँगा।

दीर्घकालिक सुधार →
- साम्प्रदायिकता को दूर करने का प्रयास।
- सोशल मीडिया के प्रति जागरूकता।
- लोगो को शासन से सहयोग के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) सार्वजनिक सुरक्षा तथा व्यक्तिगत अधिकारों तथा धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन के लिए नैतिक बातों का ध्यान –

(1) मेरा गैर पक्षपात पूर्ण तथा तटस्थता व्यवहार जिससे सभी को मुझ पर विश्वास हो।

(2) सार्वजनिक कल्याण को प्राथमिकता देनी होगी

(3) लोगों में पुलिस के प्रति सकारात्मक रवैया बना रहे।

(4) मेडिकल एथिक्स का भी अनुपालन हो।

(5) धार्मिक भावना को आहत करने वालों पर कारवाई करना।

(6) मेरी वस्तुनिष्ठतापूर्ण निर्णय लेना।

(7) खुद को शासन के समक्ष पारदर्शी तथा जवाबदेहिता युक्त दिखाना।

पुलिस अधीक्षक के नाते जन-कल्याण मेरी duty है, मैं उसे निभाने का पूरा प्रयास करूँगा। पुलिस का वाक्य सिद्ध करूँगा। आमजन में विश्वास, अपराधियों में डर।

8. प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता रवि शर्मा एक प्रमुख बोतलबंद पानी की कंपनी द्वारा प्रस्तावित लाभकारी विज्ञापन अनुबंध को लेकर नैतिक दुविधा में फंस गए हैं।

हालांकि, बोतलबंद पानी की कंपनी शराब के एक प्रमुख ब्रांड की सहायक कंपनी है और पानी की बोतलों पर भी वही ब्रांडिंग की गई है जो शराब उत्पादों पर की गई है। विज्ञापन अभियान एक स्वस्थ उत्पाद को बढ़ावा देने की आड़ में शराब ब्रांड की छवि को मजबूत करने के लिए बनाया गया है।

रवि को अपनी सामाजिक रूप से जिम्मेदार छवि और स्वस्थ जीवन का समर्थन करने के लिए जाना जाता है। वह शराब के हानिकारक प्रभावों के बारे में अच्छी तरह से अवगत हैं, क्योंकि शराब से संबंधित बीमारी के कारण उनके परिवार के एक सदस्य की मृत्यु हो गई थी। हालांकि, इस विज्ञापन अनुबंध से मिलने वाला वित्तीय लाभ काफी अधिक है और यह रवि के परोपकारी कार्यकलापों, विशेषकर वंचित समुदायों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की उसकी पहलों को काफी हद तक समर्थन प्रदान कर सकता है।

यह स्थिति रवि को दुविधा में डाल देती है, जहां उसे दो विकल्पों में से किसी एक विकल्प अर्थात वह अप्रत्यक्ष रूप से शराब के सेवन को बढ़ावा देने वाले अनुबंध को स्वीकार कर सकता है या फिर नैतिक आधार पर उसे अस्वीकार कर सकता है, जिससे उसे अपने परोपकारी कार्यों के लिए बड़ी धनराशि से हाथ धोना पड़ सकता है, का चयन करना पड़ेगा।

(a) रवि द्वारा बोतलबंद पानी के उत्पाद का विज्ञापन करने के निर्णय में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?

(b) सेलिब्रिटी विज्ञापनों के व्यापक निहितार्थों तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य और उपभोक्ता व्यवहार पर उनके प्रभावों की चर्चा कीजिए।

(c) रवि जैसी लोक हस्तियां विज्ञापन उद्योग में नैतिक व्यावसायिक कार्यपद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रभावशाली व्यक्तित्व का उपयोग कैसे कर सकती हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Ravi Sharma, a renowned movie actor, finds himself in an ethical dilemma regarding a lucrative endorsement deal offered by a prominent bottled water company.
However, the bottled water company is a subsidiary of a major alcohol brand, and the water bottles carry the same branding as the alcohol products. The advertising campaign is designed to reinforce the alcohol brand's image under the guise of promoting a healthy product.

Ravi is known for his socially responsible public image and advocacy for healthy living. He is deeply aware of the harmful effects of alcohol, having lost a close family member to an alcohol-related illness. However, the financial reward from this endorsement deal is substantial and could significantly support Ravi's philanthropic activities, particularly his initiatives for providing education and healthcare to underprivileged communities.

This situation places Ravi at a crossroads, forcing him to choose between accepting a deal that could indirectly promote alcohol use and rejecting it on ethical grounds, potentially foregoing significant funding for his charitable work.

(a) What are the ethical issues involved in Ravi's decision to endorse the bottled water product?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) Discuss the broader implications of celebrity endorsements and their influence on public health and consumer behaviour.

(c) How can public figures like Ravi use their influence to promote ethical business practices in the advertising industry? (Answer in 250 words) 20

आजकल psudo. advertisement का दौर काफी चल रहा है, उपरोक्त केस स्टडी मे भी ऐसा ही एक उदाहरण दिया है जहाँ रवि को शराब की सहायक कम्पनी बोतलबंद पानी की कम्पनी का विज्ञापन करना है।

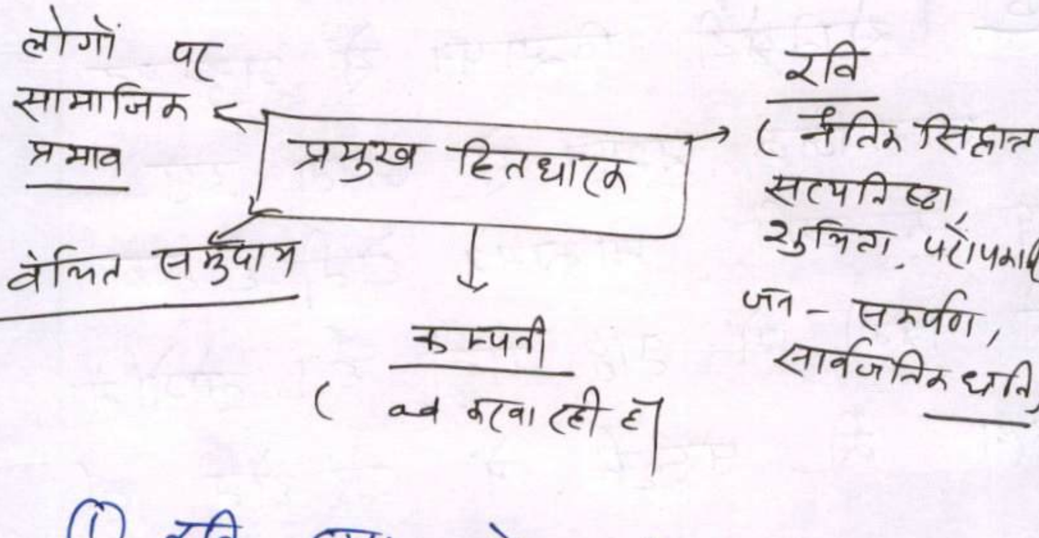

① रवि द्वारा बोतलबंद पानी के उत्पाद का विज्ञापन करने से नैतिक मुद्दे-

Ⓐ रवि की सत्यनिष्ठा युक्त छवि को नुकसान।

Ⓑ रवि को आर्थिक हितों का नुकसान।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(C) वंचितों के कल्याण मे आने वाली समस्याएँ। (बेंथम की उपयोगितावादी)

(D) शराब के हानिकारक प्रभाव से व्यक्ति की मृत्यु का पूर्ण उदाहरण vs परोपकारिता का मूल्य। (साधन साध्य पवित्रता)

(E) रवि की छवि को होने वाला इजाफा खतरे में।

(B) ~~सेलिब्रेटी~~ विज्ञापन से अनुनयन तथा सामाजिक प्रभाव से जनता उस उत्पाद के प्रति आकर्षित होती है तथा उसकी बिक्री में वृद्धि होती है। लोगों मे अनुकरण की संस्कृति में वृद्धि होती है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

+ve	-ive
– साफ-सफाई के प्रति जागरूकता	(1) अवांछित उत्पादो को प्रोत्साहन।
→ Health & Sanitation पर ध्यान	(2) लोगों मे स्वास्थ्य की

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा मौसमी बीमारियों के प्रति जागरूकता। | समस्या अधिक हो जाना। ③ celebrity की अनुक्रियाशीलता तथा जवाबदेहिता नही

Eg- Lifebuoy ने हाथ धोने मे साबुन का प्रयोग।
→ Colgate ने दाँत साफ करने का कार्य।

Eg. Maggi मे लेड की मात्रा का बढ़ना।
→ Univer Ltd के उत्पादों मे हानिकारक subst
— MDH मसाले पर प्रतिबंध

उपभोक्ता व्यवहार ~~के प्रति~~ पर प्रभाव

→ उपभोक्ता उत्पाद के प्रति जागरूक होते है
→ उपभोक्ता खरीद कर उसे अपनाते है।
— सामाजिक प्रभाव अत्यधिक होता है।
Eg. बच्चों का चॉकलेट की ad देखकर Parents से choclate मांगना।

ⓒ रति जैसी हस्तियाँ उद्योग में नैतिक व्यवसायिक कार्य पद्धतियों को बढ़ावा देना -

① रति तथा उनके समकक्ष लोगों का

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

ग्रुप मे सामाजिक जवाबदेही बढ़ाने के प्रयास करना चाहिए कि जनता से हम है. हमे उनके कल्याण पर ध्यान देना चाहिए।

(2) कम्पनी उत्पादो के नकारात्मक प्रभावो की डिटेल उत्पाद पर प्रि-2 करवानी चाहिए।

(3) हस्तियाँ को यह Contract मे शामिल किया जाना चाहिए कि नकारात्मक प्रभाव पड़ने के लिए Liablity होनी चाहिए।

(4) रवि जैसी हस्तियों को लोगों के हितो को ज्यादा प्राथमिकता देनी चाहिए।

(Eg) → South Star (femal) → क्यूटी प्रोडक्ट क्रीम के लिए मना कर देना।

Actor रामलाल → गुटका तथा सिगरेट के लिए मना कर देना।

सफल व्यवसायिक कार्यपद्धतियो से साधन - साध्य की पवित्रता का भी ध्यान रखा जाएगा।

9. आप एक कृषि प्रधान जिले में जिला मजिस्ट्रेट के पद पर नियुक्त हैं। हाल ही में, इस क्षेत्र में बेमौसम वर्षा हुई है, जिससे फसलों को अत्यधिक क्षति हुई है और किसान समुदाय भी संकट के कगार पर पहुंच गया है। खाद्यान्न खरीद प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

आपको किसानों से अनाज खरीदने वाले गोदामों में व्यापक कदाचार की रिपोर्टें मिली है। इन भ्रष्ट गतिविधियों में खरीद प्रक्रिया में जानबूझकर विलंभ करना, तौल के पैमानों में हेरफेर करना, मनमाने तरीके से गुणवत्ता को अस्वीकार करना और हताश किसानों से रिश्वत की मांग करना शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप, किसानों को अत्यधिक वित्तीय हानि हुई है, कई किसान तो अपना लागत मूल्य भी वसूल नहीं कर पा रहे हैं।

कई किसान अपनी उपज बेचने में असमर्थ हैं जबकि अन्य न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से बहुत कम कीमत पर अपनी उपज बेचने के लिए विवश हैं। इससे कृषक समुदाय के लिए वित्तीय संकट उत्पन्न हो गया है।

आपको इस जटिलता को और अधिक गंभीर बनाने वाली एक रिपोर्ट मिलती हैं जिससे पता चलता है कि कुछ स्थानीय राजनेता और प्रभावशाली व्यवसायी इन भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल हैं और किसानों की दुर्दशा से लाभ उठा रहे हैं। यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो संभावित किसान विरोध प्रदर्शनों एवं आंदोलनों के शुरू होने की भी अफवाहें हैं।

जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपके सामने तात्कालिक संकट और इस स्थिति को जन्म देने वाले प्रणालीगत मुद्दों जिनके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है, दोनों से निपटने की चुनौती है।

(a) इस मामले में शामिल प्रमुख हितधारकों और उनके संबंधित हितों की पहचान कीजिए।

(b) प्रभावित कृषक समुदाय को राहत प्रदान करने के लिए आपके द्वारा अपनाए जाने वाले तात्कालिक उपायों पर चर्चा कीजिए।

(c) आपके द्वारा चुने गए उपाय को क्रियान्वित करते समय आपके समक्ष आने वाली नैतिक दुविधाओं पर चर्चा कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि आप उनसे कैसे निपटेंगे। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as the District Magistrate in a predominantly agricultural district. Recently, the region has been hit by unseasonal rainfall, causing severe crop damage and pushing the farming community to the brink of crisis. The situation is further exacerbated by widespread corruption in the food grain procurement system.

You have received reports about rampant malpractices in the warehouses responsible for procuring food grains from farmers. These corrupt practices include deliberate delays in the procurement process, manipulation of weighing scales, arbitrary quality rejections, and demands for bribes from desperate farmers. As a result, farmers are facing significant financial losses, with many unable to recover even their input costs.

Many farmers are unable to sell their produce, while others are forced to sell at prices far below the Minimum Support Price (MSP). This has led to financial distress for the farming community.

Adding to the complexity, you have received reports suggesting that some local politicians and influential businessmen are involved in these corrupt practices, benefiting from the farmers' misery. There are also rumors of potential farmer protests and agitations if immediate action is not taken.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

As the District Magistrate, you are faced with the challenge of addressing both the immediate crisis and the systemic issues that have led to this situation.

(a) Identify the key stakeholders involved in this case and their respective interests.

(b) Discuss the immediate measures you will take to provide relief to the affected farming community.

(c) Discuss the ethical dilemmas you might face while implementing your chosen course of action and how you would navigate them. (Answer in 250 words) 20

भारत मे 86% किसान लघु तथा सीमान्त है, इनके उत्पादों को उचित लागत तथा सुविधाएँ उपलब्ध करवाना जिला मजिस्ट्रेट के नाते मेरा कर्तव्य है।

केस स्टडी मे वंचितों के प्रति करुणा, समानुभूति, सरकारी योजना को लागू करना, राजनीतिक तटस्थता, गैर-पक्षपात, सत्यनिष्ठा जैसे मूल्यो पर सेकर है तथा उनकी परीक्षा है-

① विभिन्न हितधारक तथा उनके हित

Ⓐ किसान
- उत्पादों की उचित लागत।
- भ्रष्टाचार पर रोक लगे।
- फसल की क्षति का मुआवजा मिले।

जिला मजिस्ट्रेट → सरकारी योजनाओं का क्रियान्वन
→ Crony Capitalism (राजनेता-व्यवसायी गठजोड़) पर कारवाई
→ वंचित (किसानों) का कल्याण।

व्यापारी → अधिकतम लाभ कमाना
→ किसानों का शोषण करना।

शासन व्यवस्था → करुणा, सहानुभूति जैसे मूल्यों पर लेकर!
→ सार्वजनिक योजनाओं का क्रियान्वन न होना।

② **प्रभावित समुदायों के लिए तात्कालिक कारवाई**

① जिला मजिस्ट्रेट के तौर पर गोदाम तथा मण्डी पर हो रहे व्यापार पर रोक लगाऊँगा, जिसके लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कारवाई करूँगा तथा किसानों को उत्पादों का उचित मूल्य दिलाऊँगा।

② उत्पादों के विपणन के लिए किसान

2366
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

संगठनों से बात करके सम्पूर्ण मुद्दे सुनूँगा तथा कार्रवाई का भरोसा देऊँगा।

(iii) राजनीतिक नेताओं तथा व्यवसायी वर्ग को कानूनी उल्लंघन पर उचित कार्रवाई का आश्वासन देऊँगा।

(iv) किसानों को उत्पादन के लिए Warehouse Receipt तथा भण्डारण के लिए अन्य कार्यक्रम पर भी जोर देऊँगा।

(v) सहकारी स्तर की मण्डी (PACS) को संगठित कर कार्रवाई का प्रयास करूँगा।
↓
कृषक लाभ के लिए

(3) कार्रवाई में नैतिक दुविधा तथा उनसे निपटना

(i) किसानों का हित vs राजनीतिक दबाव की दुविधा → जनकल्याण तथा गैर पक्षपातपूर्ण मूल्य।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) जवाबदेहिता vs अहस्ताक्षर की नैतिक दुविधा।

(iii) किसानों का विरोध प्रदर्शन vs व्यापारिक संगठन की भावना।

(iv) किसानों के प्रति अनुक्रियाशील होना vs क्रोनी कैपिटलिज्म का संकट।

उपरोक्त नैतिक दुविधाओं मे मैं सार्वजनिक कल्याण को प्राथमिकता प्रदान करूँगा। यह प्राथमिकता किसानों के हितों को सुरक्षा प्रदान करेगी। इसमें स्थानीय राजनेता तथा व्यापारियों का दबाव भी आएगा, उसे कानूनी कार्यों का डर दिखाते हुए कार्यवाही करूँगा।

कृषि कल्याण मे किसानों का कल्याण महत्वपूर्ण होता है जिसे बढ़ाना सम्पूर्ण कृषि का उद्धार कर सकते है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. हाल ही में एज़टैक के इंडिया डिवीजन के प्रमुख के रूप में नियुक्त श्री वी, कंपनी के शिशु आहार उत्पादों के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण नैतिक दुविधा का सामना कर रहे हैं। हाल ही में, यह बात लोगों के ध्यान में आई है कि भारत में एज़टैक के शिशु उत्पादों में एक बार के आहार के रूप में दी जाने वाली मात्रा में लगभग 3 ग्राम शर्करा की मात्रा होती है, जबकि जर्मनी और ब्रिटेन जैसे अमीर देशों में इसी तरह के उत्पादों में कोई अतिरिक्त शर्करा की मात्रा नहीं होती है। एज़टैक ने इस प्रथा का बचाव करते हुए कहा है कि चीनी की मात्रा स्थानीय नियमों के अनुरूप है। हालांकि, इन उत्पादों पर पोषण संबंधी जानकारी में अतिरिक्त शर्करा के बारे में विवरण का उल्लेख नहीं है।

इस खुलासे ने नागरिक समाज, गैर सरकारी संगठनों (NGOs) और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया है, जिनका तर्क है कि शिशु उत्पादों में शर्करा की अतिरिक्त मात्रा खतरनाक और अनावश्यक है। आलोचना के बढ़ने से एज़टैक की प्रतिष्ठा और बाजार में इसकी स्थिति खतरे में पड़ गई है।

श्री वी को एक गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ता है। इन शिशु उत्पादों को बाज़ार से हटाने से कंपनी को काफ़ी वित्तीय क्षति हो सकती है, जिससे संभावित रूप से कर्मचारियों की छंटनी हो सकती है और यहां तक कि कंपनी के बंद होने की संभावना भी हो सकती है, क्योंकि कंपनी की वित्तीय स्थिति पहले से ही ख़राब है। वरिष्ठ प्रबंधन उन पर दबाव बना रहा है कि वे इस मुद्दे का समाधान कंपनी के लाभ को प्रभावित करने वाले किसी बड़े परिवर्तन के बिना करें।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त स्थिति में श्री वी के लिए उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) श्री वी के लिए उपर्युक्त में से कौन-सा विकल्प सर्वाधिक उपयुक्त होगा और क्यों? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Mr. V, recently appointed as the head of Aztack's India division, faces a significant ethical dilemma regarding the company's baby food products. Recently, it has come to public attention that Aztack's baby products in India contain nearly 3 grams of sugar per serving, while similar products in wealthier nations like Germany and the UK have no added sugar. Aztack defends this practice, stating that the sugar levels comply with local regulations. However, the nutritional information on these products omits details about added sugars.

This revelation has sparked backlash from civil society, NGOs, and health experts, who argue that added sugar in baby products is dangerous and unnecessary. The criticism is growing, putting Aztack's reputation and market position at risk.

Mr. V faces a serious challenge. Removing these baby products from the market could result in significant financial losses for the company, potentially leading to employee layoffs and even the possibility of the company shutting down, given its already precarious financial state. The senior management is pressuring him to resolve the issue without making drastic changes that could affect the company's profit.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.

(b) Evaluate the options available to Mr. V in the above situation.

(c) Which of the above would be the most appropriate option for Mr.V and why? (Answer in 250 words) 20

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत केस स्टडी ग्रीनवाशिंग को दिखाती है जहाँ दवाई के नकारात्मक प्रभावों को छिपा लिया गया है।

इसमें शामिल हितधारक

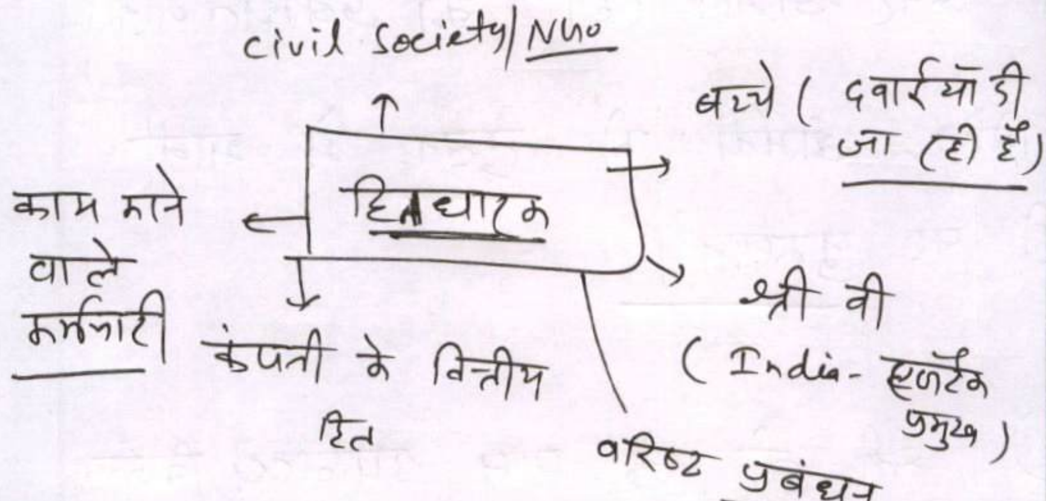

① इस केस स्टडी मे शामिल नैतिक मुद्दे

(A) कंपनी की वित्तीय स्थिति खराब होने से कर्मचारियों के रोजगार का चला जाना।

(B) दवाईयो से प्रभावित बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव को संबोधित करना।

(C) civil society/NGO को लगातार विश्वास में बनाए रखना।

(D) वरिष्ठ प्रबंधन के दबाव में भी श्री वी की ईमानदारी निष्पक्षतापूर्वक, सार्वजनिक हितों में रहना।

(E) योजना संबंधी जानकारी का दवाई के ऊपर अभाव रहने को प्रबंधित करना।

(F) ब्रिटेन, जर्मनी की तुलना में भावी पीढ़ी पर नुकसान।

(B) श्री वी के पास उपलब्ध विकल्प

(1) NGO/ civil society की माँगों पर ध्यान न देना।

+ve	-ive
(i) कम्पनी के वित्तीय हित सुरक्षित होंगे (ii) कर्मचारियों को रोजगार मिला रहेगा	(1) दूरगामी में कंपनी की छवि का खराब होना (2) लगातार विरोध, प्रदर्शन होना

(2) वरिष्ठों के दबाव में आकर कंपनी के पद से इस्तीफा देना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

+ve	-ve
→ बच्चों के पोषण पर कारवाई हो सकेगी	→ कर्मचारियों पर खतरा।
→ green washing के विरुद्ध कारवाई।	→ ~~कर्मचारियों~~ की प्रतिष्ठा कम्पनी पर खतरा

③ NGO/civil Society की मांग को ध्यान मे रखते हुए, दवाई की जॉच करवाना-

ⓒ उपरोक्त परिस्थितियों में श्री वी के पास विकल्प ③ उत्तम रहेगा क्योंकि

(i) NGO/ civil Society की मांग के अनुसार कंपनी के उत्पादों की जॉच होगी।

(ii) अगर शर्करा का स्तर अधिक है, पोषण स्तर के स्तर तक ही है तो सरकार से यह पता/प्रचार किया जाना चाहिए कि बाजार मे उपलब्ध दवाईयाँ चलती रहे।

(iii) आगे से सभी कंपनियों की दवाईयों पर शर्करा स्तर की सूचना का प्रयोग किया जाएगा।

(iv) इस विकल्प के उपयोग से कर्मचारियों के रोजगार मे हानि भी नही होगी तथा कंपनी के वित्तीय अधिकार भी सुरक्षित होगे।

(v) NGO/civil Society को विश्वास मे रख लगातार उत्पाद की quality पर ध्यान दिया जा सकता है। Social

(vi) यह प्राथमिकता रखी जानी चाहिए कि बच्चों का हित सुरक्षित हो, मगर कम्पनी की दवाईयों से नुकसान अत्यधिक है तो दवाईयाँ हटाई भी जा सकती है।

अतः बच्चों का हित प्राथमिक होना चाहिए, जिससे सर्वकल्याण की भावना को मजबूती मिले, तथा निर्णय निर्माण मे कंपनी के वित्तीय हित तथा कर्मचारियों की छँटनी का भी ध्यान रखना चाहिए

11. सागर मेहता एक 42 वर्षीय पेशेवर है और उसका कॉर्पोरेट जगत में एक बेदाग रिकॉर्ड है। उसने हाल ही में इंफ्राटेक सॉल्यूशंस नामक कंपनी के CEO का पद धारण किया है। इंफ्राटेक सॉल्यूशंस भारत की सबसे बड़ी अवसंरचना क्षेत्र की कंपनियों में से एक है। इन्फ्राटेक को सड़कों और पुलों के डिजाइन एवं निर्माण में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है तथा इसने विगत तीन दशकों में एक मजबूत प्रतिष्ठा हासिल की है। यह कंपनी मुख्य रूप से राज्य लोक निर्माण विभागों की परियोजनाओं पर कार्य करती है और कभी-कभी राष्ट्रीय एजेंसियों से अनुबंध भी प्राप्त करती है।

सागर ने यह पद 15 वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण के परिणामस्वरूप प्राप्त किया था। उसने केवल अपनी प्रतिभा और ईमानदारी के बल पर कॉर्पोरेट जगत में तरक्की की है तथा उसने सदैव नैतिक व्यावसायिक पद्धतियों का पालन किया है। इन्फ्राटेक के CEO के रूप में उसकी नियुक्ति को अक्सर विवादों से घिरे रहने वाले उद्योग में ताजी हवा के झोंके के रूप में देखा गया।

अपनी नई भूमिका में आठ महीने के बाद, सागर कंपनी को जिस दिशा में ले जा रहा था, उसे लेकर आत्मविश्वास महसूस कर रहा था। उसने नई प्रौद्योगिकियों को लागू किया, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया और अपनी परियोजनाओं में अधिक संधारणीय पद्धतियों के प्रयोग को बढ़ावा दिया।

एक शाम, कुछ वित्तीय दस्तावेजों की समीक्षा करने के दौरान, सागर ने एक पैटर्न देखा कि बड़े अनुबंधों की घोषणाओं से ठीक पूर्व विभिन्न अज्ञात संस्थाओं को बड़ी धनराशि भेजी जा रही थी। उत्सुक और थोड़ा चिंतित होकर, उसने इसकी गहराई से जांच करने का निर्णय किया। उसने पाया कि इंफ्राटेक उन राज्यों में सत्तारूढ़ राजनितिक दलों के सदस्यों के चुनाव अभियानों के लिए पर्याप्त राजनीतिक दान कर रहा था, जहां वे अनुबंधों को प्राप्त करने हेतु बोली लगा रहे थे। ये दान बड़ी सावधानी से समयबद्ध और रणनीतिक रूप से वितरित किए गए थे ताकि कंपनी द्वारा लाभकारी सरकारी परियोजनाओं के अनुबंध प्राप्त करने की संभावना अधिकतम हो सके।

सागर हमेशा साफ-सुथरा कार्य करने के लिए स्वयं पर गर्व महसूस करता था। इस मुद्दे को हल करने हेतु दृढ़ संकल्पित सागर ने इस मामले को बोर्ड की अगली बैठक में उठाया। उसे यह देखकर आश्चर्य और निराशा हुई कि निदेशक मंडल ने न केवल इस प्रथा को स्वीकार किया, बल्कि इसका दृढ़तापूर्वक बचाव भी किया। संदेश स्पष्ट था - बोर्ड को उम्मीद थी कि सागर इस प्रथा को जारी रखेगा तथा कोई भी विचलन न केवल कंपनी की स्थिरता को बल्कि CEO के रूप में उनकी स्थिति को भी खतरे में डाल सकता है।

जैसे ही सागर बैठक से बाहर निकला, उसने महसूस किया कि इस नैतिक दुविधा का बोझ उस पर बढ़ रहा है। एक तरफ, वह कंपनी की सफलता और इंफ्राटेक पर निर्भर हजारों कर्मचारियों की आजीविका के लिए उत्तरदायी था। दूसरी तरफ, अब वह एक ऐसे कृत्य में संलिप्त था जिसे वह नैतिक रूप से संदिग्ध और संभावित रूप से अवैध मानता था।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) सागर के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) उसे क्या कारवाई करनी चाहिए? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए। (250 शब्दों में उत्तर लिखिए)

Sagar Mehta, a 42-year-old professional with an impeccable track record in the corporate world, had recently accepted the position of CEO at Infratech Solutions, one of India's largest infrastructure companies. Known for its expertise in designing and constructing roads and bridges, Infratech had built a strong

reputation over the past three decades, primarily working on projects for state public works departments and occasionally securing contracts with national agencies.

For Sagar, this role was the culmination of 15 years of hard work and dedication. He had climbed the corporate ladder through sheer talent and integrity, always adhering to ethical business practices. His appointment as CEO of Infratech was seen as a breath of fresh air in an industry often marred by controversies.

Eight months into his new role, Sagar was feeling confident about the direction in which he was steering the company. He had implemented new technologies, streamlined processes, and was pushing for more sustainable practices in their projects.

One evening, while reviewing some financial documents, Sagar noticed a pattern of large outflows to various obscure entities just before major contract announcements. Intrigued and slightly concerned, he decided to dig deeper. He found out that Infratech had been making substantial political donations to the election campaigns of ruling party members in states where they were bidding for contracts. These donations were carefully timed and strategically distributed to maximize the company's chances of securing lucrative government projects.

Sagar had always prided himself on running clean operations. Determined to address this issue, Sagar raised the matter at the next Board meeting. To his shock and dismay, the Board of Directors not only acknowledged the practice but also strongly defended it. The message was clear – the Board expected Sagar to continue this practice, and any deviation could jeopardize not just the company's stability but also his position as CEO.

As Sagar left the meeting, he felt the weight of this ethical dilemma bearing down on him. On the one hand, he was responsible for the company's success and the livelihoods of thousands of employees who depended on Infratech. On the other hand, he was now complicit in a practice that he found ethically questionable and potentially illegal.

(a) State the ethical issues involved in this case.

(b) Evaluate the options available to Sagar.

(c) What should be his course of action? Give reasons to support your answer. (Answer in 250 words) 20

2366
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपरोक्त केस स्टडी मे कोरपोरेट गर्वनेंस, क्रोनी केपिटलिजम, विभिन्न कर्मचारियों की आजीविका, CEO सागर के नैतिक सिद्धान्तों से जुडे मूल्यों की परीक्षा है।

हाल ही में Election Bond से जुडे मामले मे सुप्रीम कोर्ट ने Electoral Bond योजना को रद्द कर दिया था।

इस केसस्टडी मे भी ऐसे ही कुछ नैतिक मुद्दे है-

(I) सागर मेहता के नैतिक सिद्धान्तों जैसे- नैतिक व्यवसायिक पद्धतियो पर खतरा।

(II) कम्पनी के बोर्ड मेम्बर के दबाव मे CEO का धैर्यशीलता के साथ कार्य करने से संबंधित मुद्दे।

(III) राजनीतिक दबाव तथा कम्पनी हितो के

Call us : 8468022022, 9019066066 Visit us : www.visionias.in

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मदय विरोध।

(4) कर्मचारियों की आजीविका से जुड़े मुद्दे।

(5) कंपनी की CEO के नाते कंपनी की सफलता से जुड़े मुद्दे।

(6) कोरपोरेट शासन व्यवस्था से जुड़े मुद्दे

(B) सागर की नैतिक मूल्यों की श्रृंखला तथा व्यवसायिक नैतिकता का द्वन्द्व है। इस केस मे उसके पास विकल्प

(1) कंपनी की छवि को ध्यान मे न रखते हुए राजनीतिक- व्यवसायिक गठजोड़ पर कार्रवाई

+ve	-ive
(1) स्व- नैतिकता को प्राथमिकता।	(1) कंपनी की छवि को नुकसान
(2) स्व- मानसिक आराम मिलेगा।	(2) कर्मचारियों की आजीविका को खतरा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) सागर द्वारा द्वन्द्व से बचते हुए इस्तीफा दे देना

+ve	-ive
(i) नैतिक दुविधा को हल करने मे सफल	(i) धैर्य के मूल्य पर संकट
(ii) मानसिक आराम में सहायक	(ii) कंपनी की छवि को नुकसान।

(3) बोर्ड मेम्बर का भरोसा लेने का प्रयास कर कारवाई करना।

+ve	-ve
→ वित्तीय रूप से कम्पनीक के लिए लाभदायक	बोर्ड मेम्बर ना तो खतरे हो सकते हो
- कर्मचारियों की आजीविका बची रहेगी	→ राजनीतिक न्याय नही।

(4) राजनीतिक रूप से गैर ~~पक्ष~~पक्षपातीपूर्ण व्यवहार करते हुए अनुबंधों के लिए क्रोनी केपिटलिज्म के उपयोग को नकारना।

(3) उपर्युक्त स्थितियो मे विकल्प (4) का ~~चु~~ चुनाव करूँगा जिसके कारण है-

(i) सागर मेहता की व्यवसायिक नैतिकता तथा स्व-नैतिकता में संतुलन लाना।

(ii) बोर्ड मेम्बर्स से लगातार मार्ग करते हुए उचित कार्य संस्कृति का विकास करना।

(iii) राजनीतिक दलों को दिए जाने वाले चंदे की रिपोर्ट को पब्लिक डोमेन मे रखना।

(iv) इस विकल्प मे Short term मे हानि हो सकती है, दीर्घकालिक मे लाभ की संभावना रहेगी।

(v) कंपनी की प्रतिष्ठा बचाने के लिए पारदर्शिता तथा जवाबदेहिता को बढ़ाना।

(vi) Crony capitalism मे राजनीतिक पार्टियों के साथ गैर-पक्षपातपूर्ण व्यवहार करना।

कंपनियों में corporate governance को बढ़ाना चाहिए जिससे ये समाज तथा पर्यावरण के अनुकूल हो सके।

12. आप राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) में एक वरिष्ठ अधिकारी हैं और आपकी प्राथमिक भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि देश भर में प्रवेश परीक्षा के प्रोटोकॉल का एक समान रूप से अनुपालन किया जाए। आप शिक्षा प्रशासन में अपने विगत दो दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, हमेशा परीक्षा प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर गर्व करते हैं।

पिछले माह, NTA ने देश भर में मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (NEET) का आयोजन किया। इस अत्यंत प्रतिस्पर्धी परीक्षा में 20 लाख से अधिक अभ्यर्थी सम्मिलित हुए, जिनमें से प्रत्येक प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में सीट प्राप्त करने की अपेक्षा कर रहा था।

हालांकि, परीक्षा के कुछ दिनों के भीतर, आपके कार्यालय में विभिन्न स्रोतों से चौंकाने वाली रिपोर्टें आने लगीं। कई राज्यों में स्थानीय समाचार पत्रों द्वारा कथित पेपर लीक के समाचार प्रकाशित किए जाने लगे। आपके फोन पर चिंतित अभिभावकों और छात्रों के कॉल आने लगे। वे आपको परीक्षा केंद्रों पर अनियमितताओं की रिपोर्ट कर रहे थे। इसमें अभ्यर्थियों द्वारा मोबाइल फोन के उपयोग करने, कुछ अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय देने और यहां तक कि प्रॉक्सी अभ्यर्थियों को परीक्षा देते हुए देखे जाने के दावे शामिल थे।

जैसे-जैसे ये रिपोर्टें आपके सामने आती हैं वैसे-वैसे स्थिति तेजी से बिगड़ती जाती है। राष्ट्रीय मीडिया ने इस समाचार को प्रमुखता से उठाया और जल्द ही यह प्रत्येक समाचार चैनल की सुर्खियों में आ गया। सोशल मीडिया पर "जस्टिस फॉर स्टूडेंट" हैशटैग के साथ व्यापक चर्चा होने लगी। अभिभावक संगठन आपके कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे तथा पुनर्परीक्षा के साथ दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की मांग कर रहे थे।

इस अव्यवस्था के बीच, आपको शिक्षा मंत्री का फोन आता है, जो स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं और त्वरित कार्रवाई की मांग करते हैं। आप पर त्वरित कार्रवाई का दबाव बहुत अधिक है, लेकिन आप यह जानते हैं कि बिना गहन जांच के जल्दबाजी में लिए गए किसी भी निर्णय के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

इस पेशेवर चुनौती के मध्य आपको एक व्यक्तिगत दुविधा का सामना करना पड़ता है जिससे यह मामला और अधिक जटिल बन जाता है। आपकी बेटी ने भी इस वर्ष NEET परीक्षा दी थी। वह दो वर्ष से तैयारी कर रही थी और प्रायः देर रात तक अध्ययन करती थी।

प्रारंभ में, आपकी बेटी अपनी परीक्षा के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित थी। किंतु अनियमितताओं के समाचारों के बाद से, आपने उसके व्यवहार में परिवर्तन देखा है। वह असामान्य रूप से चुप रहती है तथा रात के भोजन के दौरान नजरें चुराती है एवं अपने कमरे में ही अधिक समय व्यतीत करती है।

एक शाम, असहनीय तनाव के कारण आप अपनी बेटी से बातचीत करते हैं। बहुत समझाने के बाद, वह टूट जाती है और रोते हुए स्वीकार करती है कि उसने कुछ राशि के बदले एक निजी सोशल मीडिया चैनल के माध्यम से लीक हुए कुछ प्रश्न प्राप्त किए थे। वह दावा करती है कि उसे यकीन नहीं था कि वे प्रश्न वास्तविक थे, किंतु फिर भी उसने उनकी तैयारी की। अब वह आपसे कोई कार्रवाई न करने की विनती करती है।

इस स्थिति में आप अपने पेशेवर कर्तव्य और अपनी बेटी के प्रति अपने प्रेम के बीच दुविधा में उलझ जाते हैं, तो आपको आपके निर्णय के बोझ का एहसास होता है। ऐसे में संपूर्ण परीक्षा प्रणाली की सत्यनिष्ठा के साथ लाखों छात्रों का भविष्य भी दांव पर लगा है, जिसमें आपकी बेटी भी शामिल है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) परीक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति के रूप में, आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? आप क्या कार्रवाई करेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a senior official in the National Testing Agency (NTA) and your primary role is to see if the entrance exam protocols are followed uniformly across the country. With over two decades of experience in education administration, you have always prided yourself on your commitment to fairness and transparency in the examination process.

Last month, the NTA conducted the National Eligibility cum Entrance Test (NEET) for medical admissions across the country. Over 2 million aspirants appeared for this highly competitive exam, each hoping to secure a seat in prestigious medical colleges.

However, within days of the exam, your office is inundated with alarming reports from various sources. Local newspapers carry stories of alleged paper leaks in several states. Your phone rings constantly with calls from concerned parents and students reporting irregularities at exam centers - claims of candidates using mobile phones, some being granted extra time, and even sightings of proxy candidates taking the test.

As you grapple with these reports, the situation escalates rapidly. National media picks up the story, and soon it's the headline on every news channel. Social media is abuzz with hashtags demanding justice for the students. Parents' associations are organizing protests outside your office, calling for a re-examination and severe punishment for the culprits.

Amidst this chaos, you receive a call from the Education Minister, who expresses grave concern over the situation and demands immediate action. The pressure to act swiftly is immense, but you know that a hasty decision without thorough investigation could have far-reaching consequences.

As if the professional challenge was not daunting enough, you face a personal dilemma that threatens to complicate matters further. Your daughter also took the NEET exam this year. She had been preparing for two years, often studying late into the night.

Initially, your daughter had been ecstatic about her performance in the exam. However, since the news of irregularities broke, you have noticed a change in her behavior. She has been unusually quiet, avoiding eye contact during dinner, and spending more time alone in her room.

One evening, unable to bear the tension, you confront your daughter. After much prodding, she breaks down and confesses. Tearfully, she admits to having accessed some leaked questions through a private social media channel, in exchange for money. She claims she was not sure if they were genuine, but prepared them anyway. She is now pleading with you to not take any action.

2366

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

As you stand there, torn between your professional duty and your love for your daughter, you realize the weight of the decision before you. The integrity of the entire examination system hangs in the balance, as does the future of millions of students - including your own child.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.

(b) As a person responsible for ensuring exam protocols, what are the options available to you? What course of action will you follow and why?(Answer in 250 words) 20

उपरोक्त केस स्टडी मे पारिवारिक लाभ (बेटी के प्रति प्रेम) तथा पेशेवर कर्तव्य (परीक्षा को निष्पक्षतापूर्ण) के बीच नैतिक द्वन्द्व है। इस केस स्टडी से हाल ही मे हुए पेपर लीक के अत्यधिक मामलो से भी जोड़ा जा सकता है -

(i) प्रकरण मे शामिल नैतिक मुद्दे -

(i) पेशेवर कर्तव्य vs स्वाहित
> Exam को पारदर्शितापूर्ण करवाना तथा बेटी के भविष्य से जुड़े मुद्दे

(ii) 20 लाख से अधिक बच्चों के लिए जीवन भविष्य से जुड़े मुद्दे)

(iii) अभिभावक संगठन तथा टीचर्स के विरोधों से जुड़े कानूनी मुद्दे।

(iv) NTA की प्रतिष्ठा से जुड़े मुद्दे।

(v) बेटी की मानसिक स्थिति से जुड़े मुद्दे।

दार्शनिक रूप से केस स्टडी मे मेरी मार्गवादी साधन-साध्य की पवित्रता तथा कांट के कर्तव्यवाद और बेंथम के उपयोगितवादी सिद्धान्तों पर आधारित होगी।

Ⓑ प्रोटोकोल सुनिश्चित करने मे विकल्प

① बेटी का भविष्य ध्यान मे रख उसे ही पेपर लीक की अनियमितताओं पर ध्यान न देना

+ve | −ive

①

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(1)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)